नागोर्नो-काराबाख से रूसी शांतिसैनिकों की वापसी

स्रोत: द हिंदू

सितंबर 2023 में अज़रबैजान द्वारा आर्मेनियाई अलगाववादियों के नियंत्रण वाले विवादित क्षेत्र पर कब्ज़ा करने के बाद रूसी शांति सैनिकों ने **नागोर्नो-काराबाख** से अपनी वापसी शुरू कर दी है।

- वापसी के निर्णय पर बाकू (अज़रबैजान) और मॉस्को के बीच **"उच्च स्तर (Highest Levels)"** पर सहमति बनी थी।
- नागोर्नो-काराबाख, **काकेशस क्षेत्र (काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच अंतरमहाद्वीपीय क्षेत्र) में पहाड़ों से घिरा क्षेत्र है,** इसे **अर्मेनियाई लोग आर्टाख (Artsakh)** के नाम से जानते हैं।
    - 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के पतन के बाद इस क्षेत्र द्वारा अज़रबैजान से स्वतंत्र होने की घोषणा के समय से ही नागोर्नो-काराबाख संघर्ष चला आ रहा है।
    - इस क्षेत्र को लेकर आर्मेनिया और अज़रबैजान के बीच पहला युद्ध 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में हुआ, जिसकी समाप्ति वर्ष 1994 में युद्धविराम के साथ हुई, इसके परिणामस्वरूप नागोर्नो-काराबाख तथा आसपास के कुछ क्षेत्र अर्मेनियाई नियंत्रण के अधीन आ गए।
    - 2020 में अज़रबैजान ने आसपास के सात ज़िलों और नागोर्नो-काराबाख के एक-तिहाई हिस्से पर फिर से नियंत्रण हासिल करते हुए दूसरा कराबाख युद्ध जीता। **रूस ने शांति समझौता किया और क्षेत्र में शांति सैनिकों को तैनात** कर दिया गया।
- इस संघर्ष ने रूस और आर्मेनिया के बीच संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है क्योंकि मॉस्को बाकू के साथ मधुर संबंध बनाए रखता है।
    - आर्मेनिया ने घोषणा की कि उसने मॉस्को के नेतृत्व वाले रक्षा गठबंधन **सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (Collective Security Treaty Organisation- CSTO)** में अपनी भागीदारी को प्रभावी ढंग से निलंबित कर दिया है।

और पढ़ें: [नागोरनो-काराबाख संघर्ष]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/russian-peacekeepers-withdrawal-from-nagorno-karabakh